

This question paper contains 2 printed pages.

May-June, 2024

Roll No. :
Unique Paper Code : 121303401
Title of the Paper : संस्कृत में भाषाविषयक चिन्तन
Linguistics Speculations in Sanskrit
Name of the Course : M.A., Sanskrit, LOCF
Type : OEC
Semester : IV
Duration : 3 Hours
Maximum Marks : 70

Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper

(इस प्रश्नपत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

Note: Unless otherwise required in a question, answers should be written in Sanskrit or in Hindi or in English but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी: अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी प्रश्नों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर टिप्पणी लिखिए : 15x3=15

Write short note on any three of the following:

भर्तृहरि , कैयट , पाणिनि , नागेश , शिक्षा , शाकटायन
bhartrhari, kaiyata, paṇini, nāgeśa, śikṣā, śakaṭāyana

2. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए: 13x3=39

Answer any three of the following questions:

i. वाक्यपदीय में प्रतिपादित प्रतिभा वाक्यार्थ का विस्तार से उल्लेख कीजिए।

Mention in detail the meaning of pratibha expressed in vaakyapadiya.

ii. भर्तृहरि के स्फोट सिद्धान्त पर प्रकाश डालिए।

Throw the light on Bhartrihari's theory of sphota (explosion).

iii. शब्दार्थसम्बन्धी अपोह सिद्धान्त को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

Explain the semantic dichotomy (apoha) principle with example.

iv. शक्तिग्रह के साधनों का विस्तार से विवेचन कीजिए।

Discuss in detail the resources of shaktigrah.

v. न्यायसिद्धान्तमुक्तावली के अनुसार शाब्दबोध की प्रक्रिया को समझाएँ।

Explain the process of understanding words according to nyayasiddhantmuktavali.

vi. वाक्यपदीय में प्रतिपादित वाक्य के अन्विताभिधानसम्बन्धी मतों को स्पष्ट कीजिए।

Explain the reviews related to the non-contradiction of the sentence propounded in vakyapadiya.

3. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए: 8x2=16

Write notes on any two of the following:

पतञ्जलि , एक अनवयव शब्द , 4 प्रकार के पदार्थ , अभिहितान्वयवाद, शब्दब्रह्म

Patañjali, eka anavayava śabda, 4 prakāra ke padārtha, abhihitānvayavāda, śabdabrahma